an>

Title: Need to take measures for the welfare of fishermen in the country.

श्री विनायक भाऊराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, देश में मछुआरों की हालत किसी से छिपी हुई नहीं है। आज के समय में मछुआरों को मछली पकड़ने के अतिरिक्त कोई व्यवसाय नहीं होने के कारण वे अपने परिवारों का ठीक से भरण-पोÂ◌ाण नहीं कर पा रहे हैं और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं। मछुआरों की आर्थिक हालत ठीक न होने के कारण वे बचपन से ही अपने बच्चों को मछली पकड़ने के व्यवसाय में लगा देते हैं। आज देश के मछुआरों के पास पक्के मकान नहीं हैं, इसकी वजह से इनको कोलीवाड़ा में रहना पड़ता है। यह समुद्र के किनारे ही बने होते हैं। समुद्र के किनारे होने के कारण ये लोग तटवर्ती विनियमन क्षेत्र (Coastal Regulation Zone) में आते हैं। इनके परिवार बदतर हालत में जीने को मजबूर हैं। मछुआरे अपनी नौकाओं को वÂ◌ा◌ाऩ के समय बारिश से बचाने के लिए प्लास्टिक इत्यादि चीजों का इस्तेमाल करते हैं, परंतु उचित साधन होने होने के कारण इनकी नौकाएं जल्दी खराब हो जाती हैं। इनकी परेशानी यही खत्म नहीं होती है। मछुआरे मछली पकड़ने ज्यादातर खाड़ी इलाकों में जाते हैं, जिसमें कीचड़ होने के कारण मछली नहीं पकड़ पाते हैं, जिस कारण इनके व्यवसाय में कमी आ रही है।

महोदय, अतः मैं आपसे मांग करता हूं कि मछुआरों को सरकारी अनुदान समय पर मिले, इसके लिए सरकार द्वारा कोई उचित योजना बनानी चाहिए, जिससे इनकी परेशानी जल्द से जल्द खत्म हो सके।